Fourth batch of IPM makes fresh start

TIMES NEWS NETWORK

Indore: The registration and orientation of 4th batch (2014-19) of five-year integrated programme in management (IPM) was held at Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) on Friday.

In his address, professor Rishikesha T Krishnan said various initiatives have been taken in streamlining quality of academic education at the institute and also quality of life on campus.

Krishnan encouraged students to utilize every learning opportunity and strengthen their foundation for specialization in management. He said IPM students would have a major advantage during the later stages of their management education as they would get strong foundation in the core subjects from the very beginning. He also explained to them how the IPM curriculum is designed in a way to ensure that students get all-round training and their abilities and vision as managers are strengthened. The students were then introduced to the IPM faculty and senior officers of the institute. They were also sensitized about 'plagiarism' and 'gender sensitivity'.

On Saturday, students would be given overview of IPM curriculum and requirements by professor and chair-IPM, Amitabh Deo Kodwani. A detailed presentation on various facilities of the institute including library, IT, hostel, transport, security etc is also scheduled on Saturday. Renowned business executive Som Mittal will address the gathering to motivate students to strive for educational and professional excellence.

The five-year integrated programme in management (IPM), the first of its kind in India launched by IIM Indore in 2011, is a unique and creative programme for Class XII pass-outs to meet the aspirations of young students to become management professionals, change agents and societal leaders.

TOI

IIM director Rishikesha T Krishnan inaugurates orientation programme of fourth batch of five-year integrated programme in management on Friday

IPM students would have a major advantage during the later stages of their management education

Participants at the event

The Times of India, August 02, 2014, Page-2

38% girl students in IPM batch this year

OUR STAFF REPORTER
Indore

The registration and inauguration of the fourth batch (2014-19) of 5-year Integrated Programme in Management (IPM) offered by Indian Institute of Management, Indore was held on Friday.

In this year's batch, nearly 38 percent students are female. Last year also, the percentage of girl students walking into the campus was same.

IIM Indore media incharge Akhtar Parvez said: "A total of 121 students registered for the fourth batch IPM, of which 46 are girls."

The IPM is an after-school course launched by IIM-Indore in 2011. It is creative programme designed to meet the aspirations of young students to become management professionals, change agents and societal leaders.

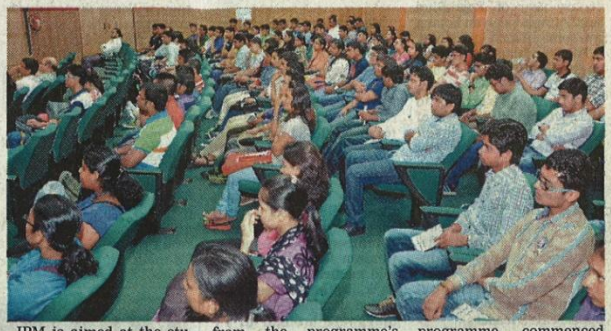

IPM is aimed at the students who have passed out of class XII/Higher Secondary or equivalent from various schools in India.

The inauguration and orientation functions are being held during August 1-2, 2014. The function was attended by the students as well as their parents. Apart from the programme's salient features, the students were also introduced to the Institute campus, various facilities available and how they can utilize them all to make it most of their stay at the Institute.

After the registration of the students for the course on Friday, the induction programme commenced with the welcome address by IIM Indore director Prof Rishikesha T Krishnan who mentioned about various initiatives taken by the Institute in streamlining the quality of education at IIM Indore and also quality of life on the campus.

While addressing a strong gathering of students of the new batch and their parents, Professor Krishnan encouraged the students to utilize every learning opportunity that would come their way during their course and strengthen their foundation for specialization in management.

He noted that the IPM students would have a major advantage during the later stages of their management education as they would get a strong foundation in the core subjects of management from the very beginning of their higher education.

He also explained to them how the curriculum of IPM is designed in a way to ensure that the students get all-round training and their abilities and vision as managers are strengthened.

The students were then introduced to the IPM faculty and senior officers of the Institute.They were also sensitized about 'plagiarism' and 'gender sensitivity' by the Institute.

On the second day of the induction programme i.e. August 2, the IPM students would be given the overview of IPM curriculum and requirements by Prof Amitabh Deo Kodwani, Chair-IPM.

Detailed presentations on various facilities of the Institute including the Library, IT, Hostel, Transport, Security etc is also scheduled on August 2.

On the occasion, renowned business executive Som Mittal will address the gathering to motivate the students to strive for educational and professional excellence.

Applied	10138
Called for PI	1169
Offered admission	238
Registered	123

Free Press, August 02, 2014, Page-11

IIM-I WELCOMES NEW BATCH OF STUDENTS

INDORE: The two-day invocation ceremony for the fourth batch of (2014-19) of five-year integrated programme in management (IPM) began at the Indian Institute of Management, Indore (IIM-I), on Friday. On the opening day, IIM-I director Prof Rishikesha T Krishnan encouraged the students to utilise every learning opportunity that would come their way during their course.

Hindustan Times,
August 02, 2014, Page-2

IIM INDUCTION PROGRAMME

लर्निंग अपॉर्च्युनिटीज़ का यूटिलाइज़ करें

शुक्रवार को आईआईएम, इंदौर में आईपीएम की चौथी बैच का इंडक्शन हुआ।

सिटी रिपोर्टर ▶ इंदौर

आईपीएम कोर्स करने के दौरान कई लर्निंग अपॉर्च्युनिटी आएंगी जिन्हें यूटीलाइज करें। मैनेजमेंट में स्पेशलाइजेशन के लिए फाउंडेशन को स्ट्रॉन्ग बनाएं। यह कहना है इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन का। वे शुक्रवार को इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) की चौथी बैच के इंडक्शन प्रोग्राम में स्टूडेंट्स को मोटिवेट कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आईपीएम कोर्स की स्टेजेस में आईपीएम स्टूडेंट्स को फायदा होगा क्योंकि उन्हें मैनेजमेंट के कोर सब्जेक्ट्स को शुरूआत में ही पढ़ने का मौका मिलेगा। इससे उनका फाउंडेशन स्ट्रॉन्ग बनेगा। इस दिन 121 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन भी कराया।

2011 में किया था कोर्स लॉन्च

पांच साल के आईपीएम कोर्स को सिर्फ आईआईएम इंदौर ने 2011 में लॉन्च किया था। इस कोर्स का उद्देश्य है कि स्टूडेंट्स को आउटस्टैंडिग लीडर्स के लिए ग्रूम किया जाए। इंडक्शन प्रोग्राम के दूसरे दिन 2 अगस्त को स्टूडेंट्स को आईपीएम करिक्युलम और रिक्वायरमेंट्स के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर बिजनेस एक्जीक्यूटिव सोम मित्तल स्टूडेंट्स को मोटिवेट करेंगे।

Dainik Bhaskar, August 02, 2014, Page-20 (City Live)

आईपीएम में 123 विद्यार्थियों को मिला एडमिशन

इंदौर. आईआईएम इंदौर के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) की 2014-19 बैच की एडमिशन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चौथी बैच के लिए देशभर से 10 हजार 138 छात्रों ने आवेदन किया था। आईपीएम की पहली बैच के लिए 3,545, दूसरी के लिए 3,603 और तीसरी के लिए 7,085 आवेदन मिले थे। 2014-19 बैच के लिए आईआईएम ने टेस्ट के स्कोर के आधार पर 1,169 को इंटरव्यू के लिए चुना। मात्र 238 स्टूडेंट को ही एडमिशन का ऑफर दिया गया। इनमें से 123 छात्रों ने एडमिशन लिए हैं। आईआईएम की इस बैच में 77 लड़के और 46 लड़कियां हैं।

Patrika, August 02, 2014, Page-6

'आपके सामने है प्रॉब्लम सॉल्व करने की अपॉर्च्युनिटी'

आईआईएम में बोले बिजनेस एक्जीक्यूटिव सोम मित्तल

इंदौर। जब देश के सामने समस्याएं होती हैं तो उन्हें सॉल्व करने की आप जैसे फ्यूचर मैनेजर्स के सामने बड़ी अपॉर्च्युनिटी होती है। फ्यूचर मैनेजर्स हायर एजुकेशन में मैनेजमेंट की पढ़ाई सिर्फ पारंपरिक जॉब करने के लिए नहीं करते, बल्कि देश की समस्याओं को सुलझाने में भी अहम योगदान देते हैं।

यह बात शनिवार को आईआईएम में बिजनेस एक्जीक्यूटिव सोम मित्तल ने कही। वे इंडक्शन प्रोग्राम के दूसरे दिन बोल रहे थे। इंडक्शन प्रोग्राम का मकसद स्टूडेंट्स को संस्थान के साथ करिकुलम की जानकारी देना था। दो दिनों में जाने-माने स्पीकर्स ने आईपीएम स्टूडेंट्स को मोटिवेट भी किया। सोम मित्तल ने अपने एक्सपीरियंस शेयर करते हुए स्टूडेंट्स को सलाह दी कि ज्यादा से ज्यादा मेहनत करो। नया सीखने में किसी तरह का संकोच मत रखो। इसी तरह से काम करने से लोग आपसे जुड़ सकेंगे।

संस्थान के बारे में दी जानकारी

आईपीएम चेयरपर्सन अमिताभ कोडवानी ने स्टूडेंट्स को संस्थान की ब्रीफ डिटेल दी। उन्होंने आईटी, होस्टल, लायब्रेरी, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के बारे में स्टूडेंट्स को बताया। डायरेक्टर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन भी मौजूद थे।

Nai Dunia, 03 August 2014, Page - 24

नेशनवाइड प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने में करें एजुकेशन का यूज

IIM INDUCTION PROGRAMME

सिटी रिपोर्टर ▶ इंदौर

देश के हर सेक्टर में कुछ न कुछ हैं जिन्हें सॉल्व करने के लिए फ्यूचर मैनेजर्स के पास ग्रेट कॅरियर अपोर्च्युनिटीज हैं। फ्यूचर मैनेजर सिर्फ स्टीरियोटाइप्ड जॉब्स के लिए मैनेजमेंट में हायर एजुकेशन न लें बल्कि नेशनवाइड प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने के लिए भी अपनी एजुकेशन का यूज करें। यह कहना है बिजनेस एक्जीक्यूटिव सोम मित्तल का। वे शनिवार को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) की चौथी बैच के इंट्रोडक्शन प्रोग्राम के दूसरे दिन स्टूडेंट्स को मोटिवेट कर रहे थे।

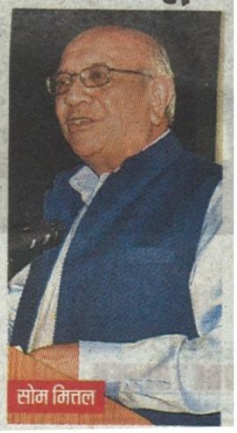

सोम मित्तल

Dainik Bhaskar, 03 August 2014, Page - 18

फ्यूचर मैनेजर के सामने काफी संभावनाएं

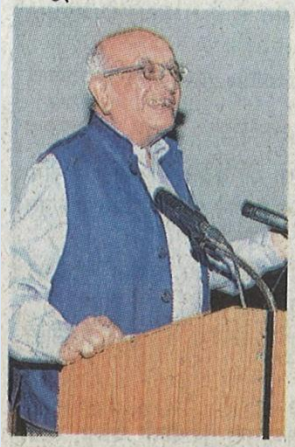

यंग रिपोर्टर, इंदौर। देश के विभिन्न सेक्टर्स में कई तरह की समस्याएं हैं। ऐसे में आप जैसे युवा और फ्यूचर मैनेजर के लिए काफी अपॉर्च्यूनिटीज हैं। आप अपनी पढ़ाई को ईमानदारी से करें और अपने क्षेत्र में मजबूत बनें। समाज में अच्छा काम करें, ताकि लोगों के विश्वास पर खरे उतर सकें। यह बात आईआईएम में आईपीएम स्टूडेंट्स के इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान ख्यात बिजनेस एक्जीक्यूटिव सोम मित्तल ने कही। इस अवसर पर आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन भी उपस्थित थे।

People's Samachar, 03 August 2014, Page - 05

कठोर मेहनत ही सफलता का आधार

आईआईएम की नई बैंच को विशेषज्ञ ने दिए टिप्स

राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर। कठोर मेहनत ही सफलता का आधार है। इसी से ही किसी का विश्वास जीता जा सकता है। सफलता के लिए सबसे अनिवार्य और उल्लेखनीय विशेषता है। यह बात शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम (आईपीएम) इन मैनेजमेंट की चौंथी बैंच के दूसरे दिन हुए कार्यक्रम में प्रबंध विशेषज्ञ सोम मित्तल ने कही।

इस दौरान उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी का विश्वास जीतना आसान काम नहीं है। इसके लिए कड़ी मेहनत और ईमानदारी की जरुरत पड़ती है। विश्वास के बाद व्यक्ति तेजी से प्रगति करता है। वहीं आईआईएम के डायरेक्टर ऋषिकेश टी कृष्णन ने कहा कि आईपीएम कोर्स के दौरान कई लर्निंग अपॉर्चन्युटी आएगी। जिनका उपयोग करें।

उन्होंने कहा कि आईपीएम कोर्स में स्टूडेंट्स को फायदा होगा क्योंकि उन्हें मैनेजमेंट के कोर सब्जेक्ट्स को शुरुआत में ही पढ़ने का मौका मिलेगा। इससे उनका फाउंडेशन स्ट्रांग बनेगा। पांच साल के कोर्स को सिफ, आईआईएम इंदौर ने 2011 में शुरु किया था। जिसका उद्देश्य स्टूडेंट्स को आउटस्टेंडिंग लीडर बनने के लिए प्रेरित किया जाए।